मैं वारी वारी जाऊँ माँ | By Rahul Rana |

दर तेरे आऊँ आके शीश झुकाऊँ,
लाल चुनरी चढ़ाऊँ तुझे माँ।
मैं वारी वारी जाऊँ माँ,
वारी वारी जाऊँ माँ,
मैं वारी वारी जाऊँ माँ,
वारी वारी जाऊँ माँ।

मुझको बुला ले माँ, दर्शन करा दे,
होगी बड़ी मेहरबानियाँ।
दर तेरे आऊँ आके शीश झुकाऊँ,
लाल चुनरी चढ़ाऊँ तुझे माँ।
मैं वारी वारी जाऊँ माँ,
वारी वारी जाऊँ माँ।

जगदंबा काली,
तू ही माँ जोतन वाली,
तूने जिस पे नजर डाली,
भर जाती झोली खाली सवाली।
दुख दूर भगाए,
चरणों में बिठाए,
संवारे लाखों जिंदगानियाँ।
दर तेरे आऊँ आके शीश झुकाऊँ,
लाल चुनरी चढ़ाऊँ तुझे माँ।
मैं वारी वारी जाऊँ माँ,
वारी वारी जाऊँ माँ।

करती रखवाली,
भक्तों की प्रतिपाली,
मन से जो ध्याए टीटू,
आए माँ शेरोवाली, माँ काली।
हैं खेल निराले,
मुरझे फूल खिला दे,
मेरी माँ की ये निशानियाँ।
दर तेरे आऊँ आके शीश झुकाऊँ,
लाल चुनरी चढ़ाऊँ तुझे माँ।
मैं वारी वारी जाऊँ माँ,
वारी वारी जाऊँ माँ।

मुझको बुला ले माँ, दर्शन करा दे,
होगी बड़ी मेहरबानियाँ।
दर तेरे आऊँ आके शीश झुकाऊँ,
लाल चुनरी चढ़ाऊँ तुझे माँ।
मैं वारी वारी जाऊँ माँ,
वारी वारी जाऊँ माँ।

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%88%e0%a4%82-%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%9c%e0%a4%be%e0%a4%8a%e0%a4%81-%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%81-by-rahul-rana/